Syllabus for MPET-SANSKRIT

(Approved by Departmental Council on 22nd March, 2011and Revised on 31.07.2014)

प्रष्न पत्र द्वितीय

PART – A

इसमें निम्नलिखित ग्रन्थों / विषयों से सम्बन्धित बहुविकल्पात्मक 50 प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. ऋग्वेद : वरुण 1.24, इन्द्र 1.32, सूर्य 1.115, बृहस्पति 2.23, सवितृ 2.38, नदी 3.33, उषस् 3.61, कितव 10.34, नासदीय 10.129
2. यजुर्वेद : शिवसंकल्प सूक्त – अध्याय 34 (1.6)
3. सामवेद : सोमसूक्त 6.1.4
4. अथर्ववेद : काल सूक्त (19.53), पृथ्वी सूक्त (12.1), 1 से 15 मंत्र
5. निरुक्त : (प्रथम, द्वितीय, तथा सप्तम अध्याय)
6. तर्कभाषा (प्रामाण्यवाद तक) : केशव मिश्र
7. वेदान्तसार : सदानन्द
8. सांख्यकारिका : ईश्वर कृष्ण
9. तत्त्वार्थसूत्र (प्रथम अध्याय) : उमास्वाति (हिन्दी व्याख्याकार–पं. सुखलाल संघवी)
10. अर्थसंग्रह (प्रारम्भ से विधिभाग पर्यन्त) : लोगाक्षिभास्कर
11. सिद्धान्तकौमुदी का कारक प्रकरण
12. लघुसिद्धान्त कौमुदी (सन्धि, समास, अजन्त एवं हलन्त प्रकरण)
13. सिद्धान्तकौमुदी, तद्धित (मत्वर्थीय) प्रकरण
14. भाषा विज्ञान : भाषा का स्वरूप, वर्गीकरण , अर्थविज्ञान और ध्वनि विज्ञान
15. शिशुपालवध (प्रथम सर्ग)–माघ
16. मेघदूत – कालिदास
17. साहित्य दर्पण (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय परिच्छेद की 29वीं कारिका तक)–विश्वनाथ
18. मृच्छकटिकम् – शूæक
19. अभिनवकाव्यालšारसूत्र – प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी

PART – B

(i) पार्ट 'ए' के उपर्युक्त निर्धारित ग्रन्थों / विषयों से सम्बन्धित विश्लेषणात्मक 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनका उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में दिया जा सकता है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ii) निम्नलिखित विशिष्ट ग्रन्थों / विषयों से सम्बन्धित 10 में से 5 प्रष्नों का उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में दिया जा सकता है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

चतुःसूत्री (शाङ्करभाष्य सहित) – ब्रह्म जिज्ञासा , अथ का अर्थ , अध्यास, ख्यातिपञ्चक , ब्रह्म का लक्षण, वेदान्तवाक्यों का समन्वय , शास्त्रयोनित्वात्

योगसूत्र (विभूतिपाद छोडकर) – योग का स्वरूप, पंचक्लेश , समाधि , कैवल्य का स्वरूप, ईश्वर का स्वरूप , क्रिया योग , चित्तवृUायाँ

वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) – शब्द ब्रह्म का स्वरूप , स्फोट का स्वरूप , शब्द ब्रह्म की शक्तियाँ, स्फोट एवं ध्वनि के बीच सम्बन्ध, शब्द–अर्थ सम्बन्ध, ध्वनि के प्रकार , भाषा के स्तर

काव्यप्रकाश (1 से 5 उल्लास) – काव्यलक्षण, काव्य प्रयोजन, काव्यहेतु, काव्यभेद, शब्दषक्ति, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, रसवाद एवं रससूत्रविमर्श

तत्त्वार्थसूत्र (2,5,6,7 अध्याय) – भावपंचक, इन्द्रिय–विवेचन, शरीर–विवेचन, पंचास्तिकाय, षड् द्रव्य, सत् का स्वरूप, आस्रव, बंध हेतु, व्रत एवं उसके भेद

पर्जन्य सूक्त (ऋग्वेद)(5.83)

राष्ट्राभिवर्द्धनम् सूक्त (अथर्ववेद) (1.29)

तैत्तिरीयोपनिषद् (मूल भाग)